सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-227
03/05/2018

बिहार में वाहनों की अधिकता और सघन आबादी के चलते सड़क निर्माण में हो संरचनात्मक सुधार :– मुख्यमंत्री

पटना, 03 मई 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में परिवहन विभाग की लोकोपयोगी योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास एवं शुभारंभ रिमोट के माध्यम से किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले मैं परिवहन विभाग को इस बात के लिए बधाई देता हूँ कि मेरे द्वारा अनेक कार्यक्रमों, सेवाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कराया गया है। परिवहन विभाग के ऐसे कार्यक्रम में पहली बार मुझे शामिल होने का मौका मिला है, जिसमें अनेक योजनाओं को जोड़कर काम किया गया है। परिवहन विभाग ने अनेक सराहनीय कदम उठाए हैं। चालक प्रशिक्षण सह यातायात शोध संस्थान का आज उद्घाटन हुआ है, यह बहुत खुशी की बात है। हमलोग कब से इस चीज की शुरुआत का इंतजार कर रहे थे। इससे युवा पीढ़ी को उच्च कोटि का प्रशिक्षण मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कई योजनाओं की शुरूआत की गयी है, जिसमें सुविधा केंद्र, जिला परिवहन भवन का शिलान्यास एवं पटना नगर बस सेवा का शुभारंभ शामिल है। अभी 25 बसों का परिचालन पटना से दानापुर के दो रुटों पर होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन सुविधा केंद्र की शुरुआत की जा रही है। आज के युग में तकनीक के प्रयोग से व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय में सड़क सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। राज्य में अच्छी सड़कें हैं, स्टेट हाई–वे, नेशनल हाई–वे, फोरलेन हैं। राज्य में वाहनों की काफी संख्या है। हाल ही में मुजफ्फरपुर में सड़क हादसे की एक दर्दनाक घटना हुई थी, जिस पर एक बैठक बुलायी गई थी। विकास आयुक्त की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा पर बनी कमिटी ने अपनी रिपोर्ट 25 अप्रैल को दी है, जिसमें सड़क सुरक्षा संबंधी तमाम पहलुओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की घनी आबादी है। ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाली सड़कों के एक तरफ खेत हैं तो दूसरी तरफ गांव हैं। सड़कों का निर्माण इस तरह से होना चाहिए कि लोगों को सड़क पार करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए फूट ओवरब्रिज, अंडर पास बनाने की जरुरत है। इस तरह के डिजाइन बनाए जायें, जिससे दिव्यांग, पशु, खेती के यंत्र एवं लोग सुरक्षित सड़क पार कर सकें। बिहार में वाहनों की अधिकता और सघन आबादी को ध्यान में रखकर सड़क निर्माण में संरचनात्मक सुधार की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्तर पर भी नियम बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट के दिशा–निर्देश हैं, इन सबका पालन तो करना ही है। इसके अलावा राज्य के स्तर पर सड़क सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए हम सबको सोचना है। शहरी इलाकों में भी लोगों को प्रशिक्षित करना है, सतर्क करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुकता सप्ताह मनाया गया। यह काम निरंतर चलते रहना चाहिये। चालकों को पूरे तौर पर प्रशिक्षित एवं जागरुक करना है। छोटी–छोटी बातों को आमलोगों को भी ड्राइविंग के वक्त ध्यान देने की जरुरत है, जैसे मोबाइल पर बात नहीं करना, सतर्क रहना, दो पहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट जरुर

पहनना। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जो रिपोर्ट आयी है, उस पर अमल किया जाएगा और विकास आयुक्त ही उसकी मॉनिटरिंग करेंगे ताकि बेहतर क्रियान्वयन हो सके। प्रथम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए 70 प्रशिक्षुओं का आज निबंधन किया गया, इसके लिये मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को धन्यवाद दिया। उन्होंने उन सभी प्रशिक्षुओं को शुभकामनायें देते हुये कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर चालक की अच्छी भूमिका का निर्वहन करेंगे, साथ ही अपनी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनायेंगे। जो पुराने चालक हैं, उन सबको भी बीच–बीच में प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जापान में घनी आबादी के बीच से बुलेट ट्रेन गुजरती है, वहां बने नियमों के पालन एवं सतर्कता की वजह से लोग सुरक्षित यात्रा कर पाते हैं। इन सब चीजों से हमलोगों को भी सीखने की जरुरत है। शराबबंदी के बाद से सड़क दुर्घटना में कमी आयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी कुछ देर पहले मुजफ्फरपुर से दिल्ली जा रही एक बस के पूर्वी चंपारण में दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर मिली है, जिसमें आग भी लग गई है। यह बहुत ही दुखद घटना है। हम सब मर्माहत हैं। राज्य सरकार नियमानुसार जो भी सहायता संभव होगी, उपलब्ध करायेगी। मुख्यमंत्री ने इस हादसे पर दुख जताते हुये आयोजन के बीच में मृत आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन धारण कर अपनी श्रद्धांजलि एवं संवेदना व्यक्त की।

सभा को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, परिवहन मंत्री श्री संतोष कुमार निराला ने भी संबोधित किया।

मुख्मंत्री ने पटना नगर बस सेवा का, जो पटना से दानापुर के दो रुटों पर चलेगी, को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने मोबाइल एप, ई–चालान का बटन दबाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 15 आधुनिक जिला परिवहन विभाग के कार्यालय का शिलान्यास, चालक प्रशिक्षण सह यातायात शोध संस्थान, औरंगाबाद का उद्घाटन भी मुख्ममंत्री ने किया। आयोजन के दौरान परिवहन विभाग द्वारा किए गए कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म को भी प्रदर्शित किया गया। परिवहन विभाग के द्वारा तमाम कार्यों की जानकारी देने वाली पुस्तिका का भी विमोचन मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया। परिवहन विभाग द्वारा लगाये गये स्टॉल का मुख्यमंत्री ने बारिकी से निरीक्षण किया। इस मौके पर एन0आई0सी0 एवं राज्य के पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री के0एस0 द्विवेदी, प्रधान सचिव गृह श्री आमिर सुबहानी, प्रधान सचिव पथ निर्माण श्री अमृत लाल मीणा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, सचिव परिवहन श्री संजय कुमार अग्रवाल, राज्य परिवहन आयुक्त श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, जिलाधिकारी श्री कुमार रवि, निदेशक चालक प्रशिक्षण सह यातायात शोध संस्थान श्री महेश राजौरिया सहित अन्य पदाधिकारीगण, एन0सी0सी0 के छात्रगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

****